दिल्ली में एक व्यसन-मुक्ति क्लिनिक (डी–एडिक्शन क्लिनिक) खोला गया है ।

(ख) यह क्लिनिक औषधिक प्रतिवर्त तकनीकों (कण्डिशनल रिफ्लेक्स टकनीक्स) के प्रयोग, मनश्चिकित्सा, वर्ग-चिकित्सा, अनुकल्पात्मक क्रियाओं का प्रवर्तन (प्रमोशन आव सब्स्टिट्यूशनल एक्टिविटीज) तथा कतिपय औषधों का प्रयोग जैसे सुनिश्चित साधनों से इस समस्या का निराकरण करेगा ।

(ग) यह क्लिनिक अभी दो मास पूर्व ही खोला गया है । अब तक देखे गये रोगियों की संख्या ना के बराबर है; वैसे इतनी जल्दी इसकी उपलब्धि को आंका भी नहीं जा सकता ।

यमुना जल-विद्युत् योजना

२३४६. **श्री भक्त दर्शन** : क्या **सिंचाई और विद्युत्** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देहरादून जिले में यमुना जल-विद्युत् योजना के प्रथम चरण में अब तक क्या प्रगति हुई है ;

(ख) उस का कार्य शीघ्र से शीघ्र पूरा करने के लिये कौन से विशेष कदम उठाये जा रहे हैं; और

(ग) उस योजना के द्वितीय चरण को प्रारम्भ करने के लिये क्या तैयारियां की जा रही हैं ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अलगशन) : (क) संयंत्र व साजसामान का पोत-लदान शुरू हो गया है । दोनों बिजलीघरों का कन्क्रीट का काम भी शुरू हो गया है ।

(ख) सिर्फ इस योजना के काम के लिए एक अलग वृत्त खोला गया है । काम चौबीसों घण्टे किया जा रहा है ।

(ग) उत्पादक-संयंत्र व साजसामान की विशिष्टियां बन रही हैं, और आशा है कि ये जून १९६३ के अन्त तक जारी हो जाएंगी ।

परिवार नियोजन

२३४७. **श्री ओंकारलाल बेरवा** : क्या **स्वास्थ्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत में पुरुषों के लिये हाल ही में संतति-निरोधक गोलियां बनाई गई हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या इन गोलियों का परीक्षण कर लिया गया है ;

(ग) यदि हां, तो फरवरी और मार्च १९६३ में ये गोलियां देश में कितने व्यक्तियों को दी गईं; और

(घ) इनका प्रभाव कब तक रहता है ?

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) : (क) और (ख). केन्द्रीय औषध अनुसन्धान संस्था, लखनऊ में प्रयोगात्मक पशुओं में एक ऐसे द्रव्य (कैड्मियम क्लोराइड) का अध्ययन किया जा रहा है जो पुरुषों में जनन-शक्ति क्षीण कर सके ।

(ग) यह प्रश्न नहीं उठता । यह कार्य प्रयोगात्मक पशुओं तक सीमित है और मनुष्यों पर अभी इसका प्रयोग नहीं हुआ है । फिलहाल यह आवांछित पशुओं, कुत्तों अथवा अन्य आवारा जानवरों के दर्दरहित बन्ध्यकरण में कुछ उपयोगी हो सकता है ।

(घ) बतलाया गया है कि पशुओं में यह द्रव्य स्थायी बन्ध्यता पैदा कर देता है ।